Apex Institute of Ayurvedic Medicine & Hospital's Post

Apex Institute of Ayurvedic Medicine & Hospital
Published by Shubham Vishwakarma
· January 9 at 6:35 PM ·

एपेक्स वेलकेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित *एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक एवं एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल,* चुनार में एपेक्स के चेयरमैन व वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ *प्रो. डॉ. एस.के. सिंह* के सानिध्य में विश्वास और सेवा का प्रतीक अब तक *11,234 नि:शुल्क मोतियाबिंद सर्जरी* सफलतापूर्वक पूरी की हैं।
👉 आज 9 जनवरी 2025 को कुशल नेत्र सर्जनों, मेडिकल ऑफिसर्स, पैरामेडिकल स्टाफ और नर्सिंग टीम ने *58 नेत्र रोगियों* का सफल ऑपरेशन किया।
🎉 मुख्य अतिथि: डॉ.रश्मि सिंह प्रधानाचार्य जीजीआईसी चुनार
💡 यह नि:शुल्क सेवा सप्ताह के *सोमवार एवं बुधवार* को अनवरत जारी रहती है
👏 टीम की कड़ी मेहनत और मरीजों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्हें डिस्चार्ज किया गया।
🌟 एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से समाज के उत्थान में अग्रसर है।
संपर्क करें और इस सेवा का लाभ उठाएँ: 📞 9651911515, 7522063706
#motiyabind #motiyabindsurgery #lenstransplant #cataractsurgery #cataracttreatment #cataractsurgeon #cataractawareness #ChiefGuest #apextrusthospital #Samaspur #chunarmirzapur

epaper
हिन्दुस्तान 10-01-25

शेयर करना | यूआरएल कॉपी करें | Save | फ़ॉन्ट आकार | छवि लोड करें | छवि | मूलपाठ | सुनना

एपेक्सःमोतियाबिंद का मुफ्त ऑपरेशन

चुनार। चुनार में एपेक्स वेलकेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसीन एंड हॉस्पिटल एवं एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल एवं डायग्नोस्टिक सेंटर में एपेक्स के ट्रस्टी प्रो. डॉ. एसके सिंह के सानिध्य में राष्ट्रीय आंधता एवं दृष्टि हानि कार्यक्रम के अंतर्गत मोतियाबिंद सर्जरी में ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। सोमवार एवं बुधवार को नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण शिविर में इस वर्ष अब तक 1234 मरीजों की सर्जरी हुई है।

APEX INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & HOSPITAL
एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एण्ड हॉस्पिटल

APEX INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & HOSPITAL
एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एण्ड हॉस्पिटल

दैनिक भास्कर
Fri, 10 January 2025
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/76555425

निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी में 11,234 मरीज हुए लाभान्वित

भास्कर ब्यूरो

मिर्जापुर। एपेक्स वेलकेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल एवं एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल एवं डायग्नोस्टिक सेंटर चुनार मे एपेक्स के ट्रस्टी प्रो.डॉ. एस. के. सिंह के सानिध्य मे राष्ट्रीय आंध्रता एवं दृष्टि हानि कार्यक्रम के अंतर्गत मोतियाबिंद सर्जरी में ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। सप्ताह के सोमवार एवं बुधवार को आयोजित निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण शिविर में इस वर्ष अब तक 1234 मरीजों की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। पिछले चार वर्षों में लगभग 10,990 सफल ऑपरेशन करते हुए आज 58 नेत्र रोगियों का सफल उपचार किया गया। एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल की कुशल टीम ने सफल ऑपरेशन के पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. रश्मि सिंह प्रधानाचार्य जीजीआईसी चुनार एवं डीन प्रोफेसर सुनील मिस्त्री की उपस्थिति में डिस्चार्ज किया। अतिथि ने मरीजों को पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल से संबंधित निर्देश दिए, जैसे कि नियमित रूप से ड्रॉप्स का उपयोग और किसी भी समस्या पर चिकित्सक से परामर्श लेना उत्तर प्रदेश और आसपास के राज्यों के हजारों मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल के प्रबंधक नवीन सिंह, आई टेक्नीशियन, टेक्नोलॉजिस्ट और नर्सिंग स्टाफ की कुशलता एवं समर्पण ने इसे संभव बनाया। यह उपलब्धि निःसंदेह एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि कैसे सामुदायिक सहयोग और समर्पण से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

संक्षिप्त न्यूज

एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल में निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी 11, 234 मरीज हुए लाभांवित

मीरजापुर (आपका मेट्रो)। एपेक्स वेलकेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित एपेक्स इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड हॉस्पिटल एवं एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल एवं डायग्नोस्टिक सेंटर, चुनार मे एपेक्स के ट्रस्टी प्रो.डॉ. एस. के. सिंह के सानिध्य मे राष्ट्रीय आंध्रता एवं दृष्टि हानि कार्यक्रम के अंतर्गत मोतियाबिंद सर्जरी में ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। सप्ताह के सोमवार एवं बुधवार को आयोजित निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण शिविर में इस वर्ष अब तक 1234 मरीजों की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। पिछले चार वर्षों में लगभग 10, 990 सफल ऑपरेशन करते हुए आज 58 नेत्र रोगियों का सफल उपचार किया गया। एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल की कुशल टीम ने सफल ऑपरेशन के पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. रश्मि सिंह, प्रधानाचार्य, जीजीआईसी चुनार एवं डीन प्रोफेसर सुनील मिस्त्री की उपस्थिति में डिस्चार्ज किया। अतिथि ने मरीजों को पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल से संबंधित निर्देश दिए, जैसे कि नियमित रूप से ड्रॉप्स का उपयोग और किसी भी समस्या पर चिकित्सक से परामर्श लेना उत्तर प्रदेश और आसपास के राज्यों के हजारों मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। एपेक्स ट्रस्ट हॉस्पिटल के प्रबंधक नवीन सिंह, आई टेक्नीशियन, टेक्नोलॉजिस्ट और नर्सिंग स्टाफ की कुशलता एवं समर्पण ने इसे संभव बनाया। यह उपलब्धि निःसंदेह एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि कैसे सामुदायिक सहयोग और समर्पण से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस .315 बोर के